(Pages : 4) G – 5135

Reg. No. : .....

Name : .....

Fourth Semester M.A. Degree Examination, September 2019

Hindi

HL 242 : DRAMA AND ONE-ACT PLAYS

(2015 Admission onwards)

Time : 3 Hours Max. Marks : 75

I. सही उत्तर चुनकर लिखिए।

1. "हिमाद्रि तुंग श्रृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती...." – यह गीत किस नाटक में शामिल है?

   (अ) चंद्रगुप्त (आ) ध्रुवस्वामिनी

   (इ) विशाख (ई) अजातशत्रु

2. "महत्वाकांक्षा का मोती निष्ठुरता की सीपी में रहता है ..." – यह कथन किस नाटक में शामिल है?

   (अ) चंद्रगुप्त (आ) ध्रुवस्वामिनी

   (इ) विशाख (ई) अजातशत्रु

3. इनमें से कौन–सा नाटक उपेंद्रनाथ अश्क का नहीं है?

   (अ) स्वर्ग की झलक (आ) जय पराजय

   (इ) लहरों का राजहंस (ई) अलग–अलग रास्ते

4. 'भोर का तारा' एकांकी संग्रह में किनके एकांकी संग्रहीत हैं?

   (अ) जगदीशचंद्र माथुर (आ) सुरेंद्र वर्मा

   (इ) उपेंद्रनाथ अश्क (ई) मोहन राकेश

P.T.O.

gcwcentrallibrary.in

5. 'आठवाँ सर्ग' के नाटककार कौन हैं?

(अ) जगदीशचंद्र माथुर (आ) मोहन राकेश

(इ) उपेंद्रनाथ अश्क (ई) सुरेंद्र वर्मा

6. 'नींद क्यों रातभर नहीं आती' – किनका एकांकी संग्रह है?

(अ) जगदीशचंद्र माथुर (आ) मोहन राकेश

(इ) उपेंद्रनाथ अश्क (ई) सुरेंद्र वर्मा

7. "घर नया-नया सजाना है, इसलिए समय नहीं मिल पाता..." – यह संवाद किस एकांकी में शामिल है?

(अ) हरी घास पर घंटे भर (आ) बहुत बड़ा सवाल

(इ) रीढ़ की हड्डी (ई) लक्ष्मी का स्वागत

8. 'हरीघास पर घंटे भर' के एकांकीकार कौन हैं?

(अ) उपेंद्रनाथ अश्क (आ) जगदीशचंद्र माथुर

(इ) मोहन राकेश (ई) सुरेंद्र वर्मा

9. राम भरोसे और श्याम भरोसे किस एकांकी के पात्र हैं?

(अ) बहुत बड़ा सवाल (आ) लक्ष्मी का स्वागत

(इ) हरी घास पर घंटे भर (ई) रीढ़ की हड्डी

10. 9 सितंबर 1850 को किस नाटककार का जन्म हुआ था?

(अ) विश्वनाथ सिंहजू (आ) गिरधर दास

(इ) भारतेंदु हरिश्चंद्र (ई) मोहन राकेश

(10 × 1 = 10 Marks)

II. किन्हीं तीन प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए।

1. 'अंधेर नगरी' में भारतेंदु युगीन राजनीतिक, सामाजिक यथार्थ का परिप्रेक्ष्य।

2. 'माता कैक्टैस' की वस्तु में संवेदनातत्व।

3. कृष्ण बलदेव वैद का कृतित्व।

gcwcentrallibrary.in

4. 'लक्ष्मी का स्वागत' में नाटकीयता।

5. 'बहुत बड़ा सवाल' की संवाद-योजना।

6. जयशंकर प्रसाद के नाटक। **(3 × 5 = 15 Marks)**

III. (क) किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. नाटक के तत्वों के आधार पर 'चंद्रगुप्त' नाटक की आलोचना प्रस्तुत कीजिए।

2. 'आधे-अधूरे' की रंगमंचीयता की समस्या और चुनौतियों का विवेचना प्रस्तुत कीजिए।

3. 'कोमल गांधार' का भाषा और संवाद संबंधी विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डालिए। **(2 × 10 = 20 Marks)**

(ख) किसी एक प्रश्न का उत्तल लिखिए।

1. एकांकी के तत्वों के आधार पर 'रीढ़ की हड्डी' की आलोचना प्रस्तुत कीजिए।

2. 'हरी घास पर घंटे भर' एकांकी की वस्तु का विश्लेषण करते हुए, अपने उद्देश्य के संपादन में नाटककार की सफलता पर प्रकाश डालिए। **(1 × 10 = 10 Marks)**

IV. (क) किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

1. ब्राह्मण न किसी के राज्य में रहता है और न किसी के अन्न से पलता है; स्वराज्य में विचरता है और अमृत होकर जीता है। वह तुम्हारा मिथ्या गर्व है। ब्राह्मण सब कुछ सामर्थ्य रखने पर भी, स्वेच्छा से इन माया स्तूपों को ठुकरा देता है, प्रकृति के कल्याण के लिए अपने ज्ञान का दान देता है।

2. संसार-भर की नीति और शिक्षा का अर्थ मैंने यही समझा है कि आत्म-सम्मान के लिए मर-मिटना ही दिव्य जीवन है।

3. मुझे पता है, मैं एक कीड़ा हूँ जिसने अंदर-ही-अंदर इस घर को खा लिया है। पर अब पेट भर गया है मेरा। हमेशा के लिए भर गया है मेरा। हमेशा के लिए भर गया है और बचा भी क्या है जिसे खाने के लिए और रहता रहूँ यहाँ।

4. मैं यहाँ थी, तो मुझे कई बार लगता था कि मैं एक घर में नहीं, चिड़ियाघर के एक पिंजरे में रहती हूँ जहाँ.... आप शायद सोच भी नहीं सते कि क्या-क्या होता रहा है यहाँ।

gcwcentrallibrary.in

5. युद्ध का मूल बीज व्यक्ति के निजी अहं में ही होता है। फिर ढूंढ़ने पर कोई न कोई सार्वजनिक न्याय मिल ही जाता है। फिर ढूंढ़ने पर कोई न कोई सार्वजनिक न्याय मिल ही जाता है। हम सब अपने निजी अहं में डूबे रहे .... जागते रहे सिर्फ दो व्यक्ति ...

6. पर कुल मिलाकर वह विवशता का भी तो एक समझौता है। कोई भी अपनी असहायता को सार्वजनिक विषय बनाना चाहता।

(3 × 5 = 15 Marks)

(ख) किसी एक अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

1. दुनिया का व्यवहार इतना शुष्क, इतना निर्मम, इतना क्रूर है? मैं उससे नफरत करता हूँ। क्या ये लोग नहीं समझते कि यह जो मर जाती है, वह भी किसी की लड़की होती है, किसी माता-पिता के लाड़ में पली होती है, फिल उसके मरते ही सगाइयाँ लेकर दौड़ते हैं। स्मृति-मात्र से मेरा खून उबलने लगता है।

2. घर एक ऐसी चीज़ है जो हर आदमी की बुनियादी जरूरत है, उसकी सुख-शांति का आधार है। आदमी काम करता है कमाने के लिए। कमाता है आराम पाने के लिए।

(1 × 5 = 5 Marks)

gcwcentrallibrary.in